RNI NO - UPHIN/2022/86937

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 55 | जौनपुर बुधवार, 08 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

महाराष्ट्र दौरे पर रहेंगे नरेंद्र मोदी, एयरपोर्ट की देंगे सौगात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8–9 अक्टूबर को महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण और मुंबई मेट्रो लाइन–3 के अंतिम चरण का उद्घाटन करेंगे। इसी के साथ पीएम मोदी ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए ब्रिटिश पीएम सर कीअर स्टार्मर से मुलाकात करेंगे। दोनों दिग्गजों की मुंबई में मुलाकात होगी। दरअसल, पीएम मोदी के निमंत्रण पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीअर स्टार्मर 8–9 अक्टूबर 2025 को भारत दौरे पर आ रहे हैं। जो कि उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। पीएम कार्यालय (पीएमओ) की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी 8 अक्टूबर को दोपहर लगभग 3 बजे नवी मुंबई पहुंचेंगे, जहां वे नवनिर्मित नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद लगभग 3:30 बजे, प्रधानमंत्री नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे और मुंबई में विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ और लोकार्पण भी करेंगे। इसी के साथ पीएम मोदी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके अगले दिन यानी 9 अक्टूबर को सुबह लगभग 10 बजे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई में यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री सर कीअर स्टार्मर की मेजबानी करेंगे। लगभग 1:40 बजे, दोनों देशों के प्रधानमंत्री मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में सीईओ फोरम में हिस्सा लेंगे। वहीं लगभग 2: 45 बजे, दोनों प्रधानमंत्री 6वें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में भी शामिल होंगे। जहां कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। पीएम मोदी और ब्रिटेन पीएम विजन 2035 रोडमैप के तहत भारतदृब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस दौरान दोनों दिग्गज भारतदृब्रिटेन कॉम्प्रिहेन्सिव इकनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट और अन्य वैश्विक–क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वहीं 9 अक्टूबर को पीएम मोदी और पीएम स्टार्मर मुंबई में जियो वर्ल्ड सेंटर में होने जा रहे 6वें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में शिरकत करेंगे और मुख्य भाषण देंगे। बता दें किविजन 2035 व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी है।

जो लोग भगवान राम को गाली देते हैं, वे महर्षि का भी अपमान करते हैं : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। योगी सरकार ने इस दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। सरकार की तरफ से वाल्मीकि से जुड़े सभी मंदिरों और स्थलों पर रामायण पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्ति गीत, भजन और दीप प्रज्वलन समारोह सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्यूपिटर हाल में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि श्जो लोग भगवान राम को गाली देते हैं, वे भगवान वाल्मीकि का अपमान करते हैं। जो लोग भगवान वाल्मीकि का अपमान करते हैं, वे भगवान राम का भी अपमान करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान वाल्मीकि के आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। सीएम ने अपने संबोधन में आगे कहा कि वाल्मीकि समाज बहुत प्रभावी है। वाल्मीकि के नाम पर देश का पहला इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या में बना है। राम मंदिर परिसर में जिन सप्तऋषियों का मंदिर बन चुका है, उसमें एक मंदिर भगवान वाल्मीकि का भी है। यह सभी कार्य डबल इंजन सरकार के समय में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो राम पर विश्वास नहीं करते, रामभक्तों पर गोली चलवाते हैं। उनसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती है।

राजनाथ सिंह ने गिनाए आत्मनिर्भरता के 3 बड़े लक्ष्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को विकसित भारत लक्ष्य की प्राप्ति हेतु तीन लक्ष्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च स्तर की आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी और रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। सिंह नई दिल्ली में रक्षा नवाचार संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत अत्याधुनिक तकनीकी उद्योगों में अग्रणी हैय भारत को अग्रणी बनाने के लिए, हमें नई विशिष्ट तकनीकों में प्रगति हासिल करनी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि भारत इन तीनों लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होता है, तो भारत रक्षा नवाचार के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है। उन्होंने कहा कि आज, जब हम 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं, हमें तीन प्रमुख बातों को ध्यान में रखना होगा। पहला, हमें महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में उच्च स्तर की आत्मनिर्भरता

हासिल करनी होगी। दूसरा, हमें रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक बनना होगा। तीसरा, अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में भारत को आगे बढ़ाने और भारत को अग्रणी बनाने के लिए, हमें कुछ नई विशिष्ट तकनीकों में प्रगति हासिल करनी होगी। अगर हम ये तीन चीजें हासिल कर लेते हैं, तो हम न केवल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित कर पाएंगे, बल्कि रक्षा नवाचार के क्षेत्र में भी भारत को दुनिया का अग्रणी देश बना पाएंगे। उन्होंने गैर–संपर्क युद्ध के महत्व में उल्लेखनीय वृद्धि पर जोर दिया और आधुनिक युग में युद्ध की तकनीक–उन्मुख प्रकृति पर प्रकाश डाला, जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा गया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश को न केवल एआई और क्वांटम तकनीक जैसी वर्तमान अत्याधुनिक तकनीकों में महारत हासिल करनी चाहिए, बल्कि भविष्य की उन तकनीकों पर भी विचार करना चाहिए जिनकी वैश्विक स्तर पर अभी खोज होनी बाकी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का युद्ध पूरी तरह से तकनीक–उन्मुख हो गया है।

वैश्विक दक्षिण के देश प्रेरणा के लिए हमारी ओर देखते हैं - जयशंकर

नई दिल्ल, (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि भारत पर एक विशेष जिम्मेदारी है, क्योंकि वैश्विक दक्षिण के कई देश हमसे प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने यह बात मंगलवार को आयोजित ट्रस्ट एंड सेफ्टी इंडिया फेस्टिवल 2025 में कही। यह आयोजन फरवरी 2026 में होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की तैयारी का हिस्सा है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के भविष्य पर वैश्विक चर्चा होगी। उन्होंने जयशंकर ने कहा कि भारत आज दुनिया में डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक प्रेरणास्रोत बन चुका है, चाहे बात आधार, यूपीआई, या डिजिटल गवर्नेंस की हो। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले दस वर्षों में जिस पैमाने पर जनता तक सेवाएं पहुंचाई हैं और शासन में पारदर्शिता

व दक्षता लाई है, वह दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है। उन्होंने कहा, श्जब मैं विदेश जाता हूं, तो वहां के नेता मुझसे भारत की डिजिटल सफलताओं की चर्चा करते हैं। अब यह चर्चा एआई के क्षेत्र तक पहुंच चुकी है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत जैसे विशाल समाज के लिए जिम्मेदार एआई की दिशा में काम करना बेहद जरूरी है। इसके लिए उन्होंने तीन प्रमुख कदम बताए। जिसमें स्वदेशी उपकरण और ढांचे तैयार करना, इन नवाचारों के लिए आत्म–मूल्यांकन प्रणाली बनाना. और ठोस दिशा–निर्देश तैयार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि केवल इन कदमों के बाद ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि एआई का विकास, उसका उपयोग और शासन, सभी सुरक्षित और सभी के लिए सुलभ हों। विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय एक महान परिवर्तन के मोड़ पर खड़ी है। जो फैसले आज लिए जाएंगे, वही आने वाले दशकों की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग एआई को अभी भी एक दूर की बात मानते हैं, उन्हें जल्द ही एहसास होगा कि आने वाले कुछ वर्षों में एआई हमारी अर्थव्यवस्थाओं, काम करने के तरीकों, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और जीवनशैली. सब कुछ बदल देगा। उन्होंने कहा, श्एआई नए अवसर तो लाएगा ही, लेकिन इसके साथ नए खिलाड़ी और नई ताकतें भी उभरेंगी। इसलिए जरूरी है कि हम इसका संतुलित और जिम्मेदार नियमन करें।

कांशीराम की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम को बताया जातिवादी पाखंड - मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर सपा और कांग्रेस द्वारा जनसभाओं की घोषणा को गहरा जातिवादी और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए कड़ी आलोचना की। बसपा सुप्रीमो ने इसे कांशीराम के आंदोलन को कमजोर करने और बहुजन समाज को धोखा देने का प्रयास बताया, विशेषकर सपा के पिछले दलित–विरोधी कदमों का हवाला देते हुए। यह घटना दलित राजनीति में बढ़ती प्रतिद्वंद्विता को दर्शाती है। बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को बसपा संस्थापक कांशीराम की 9 अक्टूबर को पुण्यतिथि से पहले, उनके प्रति कथित जातिवादी और दुर्भावनापूर्ण रवैये को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। चूँकि

बसपा ने अपने संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम की घोषणा की है, मायावती ने 9 अक्टूबर को जनसभाएँ आयोजित करने के सपा के कदम की आलोचना करते हुए इसे सरासर धोखा बताया। उन्होंने ग पर लिखा कि देश में जातिवादी व्यवस्था के शिकार लाखों दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े बहुजनों को शोषित से शासक वर्ग में बदलने के लिए, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आत्म–सम्मान और गरिमा के मिशनरी आंदोलन के कारवां को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक और निर्माता, श्रद्धेय कांशीराम जी ने जीवित रखा और नई गति दी। हालाँकि, विरोधी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का उनके प्रति रवैया हमेशा से घोर जातिवादी और दुर्भावनापूर्ण रहा है, जो सर्वविदित है। मायावती ने आगे कहा कि इसलिए, आगामी 9 अक्टूबर को उनके परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर सपा प्रमुख द्वारा गोष्ठियों और अन्य कार्यक्रमों के आयोजन की घोषणा एक सरासर धोखा प्रतीत होती है, जो होठों पर राम, बगल में खंजर वाली कहावत को चरितार्थ करती है। इसके अलावा, उन्होंने कांशीराम नगर का नाम बदलकर कासगंज करने के सपा के फैसले को याद करते हुए इसे श्उत्तर प्रदेश में कांशीराम के आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास बताया। उन्होंने ग पर लिखा, सपा ने न केवल कांशीराम जी के जीवनकाल में उनके आंदोलन को उत्तर प्रदेश में लगातार कमजोर करने का प्रयास करके उनके साथ विश्वासघात किया,।

अमित शाह के दखल के बाद चिराग के तेवर पड़े नरम

बिहार, (एजेंसी)। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान ने नीतीश की रोशनी मद्धिम कर दी थी। सीटें बढ़ाने की चाहत में इस बार भी चिराग फड़फड़ा रहे हैं। भाजपा के मौजूदा ऑफर से चिराग कनेक्ट नहीं हो पा रहे। उनका फोन भाजपा के नेताओं की पहुंच से दूर यानी आउट आफ रीच हो गया है। मतलब मोबाइल ऑफ है और उन तक पहुंचने की बाकी सारी लाइनें व्यस्त। भाजपा के बिहार चुनाव प्रभारी बनाए गए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े से चिराग संपर्क में नहीं आ पा रहे थे। ऐसे में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह इस सियासी सीन में आए। अपनी शैली में उन्होंने संदेश पहुंचा दिया है तो भभक रहे चिराग की लौ कुछ शांत हुई। इसके बावजूद यह तो तय है कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के साथ सीटों का बंटवारा राजग में सबसे कठिन साबित होने जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि शाह की एंट्री के बाद चिराग से प्रधान की बातचीत हुई है। हालांकि, लोजपा के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता धीरेंद्र मुन्ना ने अमर उजाला से कहा कि अभी सीटों के बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है। इस सवाल पर कि चिराग पासवान का फोन नहीं लगने की बात सामने आ रही है तो मुन्ना का जवाब था, फोन आउट आफ रीच भले हो, लेकिन मेरे नेता रीच में हैं। वैसे भी चिराग पहले ही कह चुके हैं कि उनकी पार्टी सम्मानजनक हिस्सेदारी लेगी। चिराग की मांग करीब 40 सीटों की है। पासवान पांच प्रमुख सीटों गोविंदगंज, ब्रह्मपुर, अतरी, महुआ और सिमरी बख्तियारपुर को लेकर अड़े हैं। इनमें से तीन सीटों पर जदयू भी दावा छोड़ने को तैयार नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

फैक्ट्री में 350 से ज्यादा नियमों का उल्लंघन

मध्य प्रदेश , (एजेंसी)। बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली तमिलनाडु की श्रीसन फार्मास्युटिकल में 350 से अधिक गंभीर उल्लंघन पाए गए, जिनमें अस्वच्छ निर्माण प्रक्रिया और अवैध रसायनों का उपयोग शामिल है। इस रिपोर्ट ने दवा नियामक प्रणाली की घोर विफलता और कंपनी द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण व सुरक्षा मानदंडों की पूर्ण उपेक्षा को उजागर किया है, जिससे डायथिलीन ग्लाइकॉल (क्ष्ळ) युक्त दूषित दवा से हुई त्रासदी सामने आई। यह घटना दवा कंपनियों में कठोर गुणवत्ता जाँच की आवश्यकता पर बल देती है। डॉ. प्रवीण सोनी– जिस बाल रोग विशेषज्ञ पर कथित तौर पर 14 बच्चों की मौत का कारण बनने वाली दूषित कफ सिरप लिखने का आरोप है कृ की बढ़ती मुसीबतों के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने उनके परिवार के एक सदस्य के कथित स्वामित्व वाले मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। मध्य प्रदेश सरकार अब इस बात की जाँच कर रही है कि आखिर दूषित कफ सिरप की इतनी बड़ी खेप छिंदवाड़ा जिले के परासिया में क्यों पहुँची। जबलपुर से छिंदवाड़ा के लिए 600 से ज़्यादा दूषित कफ सिरप भेजे गए थे, और उनमें से एक बड़ी खेप परासिया के लिए रवाना जो अवैध खरीद का संकेत देता है। इसमें सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) के अंश भी पाए गए, जो एक अत्यधिक विषैला औद्योगिक विलायक है।

बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने उत्तर बंगाल के भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा किया

बंगाल, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस समिति (डब्ल्यूबीपीसीसी) के अध्यक्ष शुभंकर सरकार के नेतृत्व में पार्टी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार सुबह उत्तर बंगाल के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए पहुंचा। सरकार का पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में आपदा प्रभावित परिवारों से मिलने का भी कार्यक्रम है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता पार्थ भौमिक और आशुतोष चटर्जी के साथ बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष ने मिरिक के रास्ते में विभिन्न स्थानों पर रुककर स्थिति का जायजा लिया। पार्टी के एक पदाधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''उन्होंने स्थानीय लोगों से भी बात की और उन्हें संकट की इस घड़ी में हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।'' उत्तर बंगाल में मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिससे 30 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य लापता हो गए हैं। पदाधिकारी ने बताया कि बंगाल कांग्रेस ने सोमवार को उत्तर बंगाल में आपदा राहत प्रयासों के समन्वय और प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष समिति का गठन किया।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस याचिका पर सुनवाई के लिए हामी भर दी, जिसमें करूर भगदड़ को लेकर सीबीआई जांच की मांग की गई थी। गौरतलब है कि तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को अभिनेता विजय की रैली के दौरान अचानक भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। चीफ जस्टिस बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने भगदड़ की सीबीआई जांच की मांग वाली भाजपा नेता उमा आनंदन की अपील पर गौर किया। एक वकील ने पीठ को बताया, सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी गई है, जबकि एकल न्यायाधीश ने कहा है कि वह (भगदड़ की) की जांच से संतुष्ट नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इसे शुक्रवार को सूचीबद्ध करें।ष् गौरतलब है कि तीन अक्तूबर को मद्रास हाईकोर्ट ने अभिनेता–राजनेता विजय की राजनीतिक रैली में 27 सितंबर को हुई भगदड़ की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले की सुनवाई नवंबर तक के लिए टाल दी।

सीजेआई न्यायाधीशों पर हमला लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश पर जूता उछालने की घटना पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि सीजेआई ने एक जनहित याचिका पर जो टिप्पणी की, जिस पर पूरा विवाद हुआ, उसे हद से ज्यादा बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया गया। उन्होंने इसके लिए सोशल मीडिया को जिम्मेदार ठहराया। वहीं सीजेआई पर जूता उछालने की घटना पर राजनीति भी शुरू हो गई है और शिवसेना यूबीटी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि इन

दिनों सोशल मीडिया की भूमिका पर भी विचार करने की जरूरत है। सोशल मीडिया पर चीजों को हद से ज्यादा बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। यह मूल मामला एक जनहित याचिका थी, जिसमें कोई व्यक्ति चाहता था कि एक खंडित हिंदू देवता की मूर्ति का निर्माण कराया जाए। मुख्य न्यायाधीश ने सही कहा कि इस मामले में संबंधित अधिकारी ही कुछ कर सकते हैं, क्योंकि अगर यह एक पुरातात्विक संरचना है, तो एएसआई से जुड़ा मामला है और धार्मिक मुद्दा भी। इसलिए, याचिका खारिज कर दी गई। याचिका खारिज करते हुए सीजेआई के बयान को सोशल मीडिया द्वारा गलत तरीके से पेश किया गया ताकि ऐसा लगे कि मुख्य न्यायाधीश ने देवता का अपमान किया है विकास सिंह ने सीजेआई पर हमले की कोशिश करने वाले वकील के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि इस वकील ने प्रचार पाने के लिए यह सब किया है और मैं मीडिया और सोशल मीडिया से विनती करता हूं कि इस वकील को प्रचार न दें क्योंकि उसका पूरा उद्देश्य प्रचार पाना है। भले ही मुख्य न्यायाधीश को लगता हो कि कोई कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है और उन्होंने बड़ा दिल दिखाया है, लेकिन मुझे लगता है कि बार एसोसिएशन के रूप में हम इस संस्थान के प्रति और बार काउंसिल ऑफ इंडिया इस पेशे के प्रति अपना कर्तव्य निभाए। इसलिए, हमारी कार्यकारिणी समिति इस मुद्दे पर विचार–विमर्श करने के बाद कार्रवाई करने का फैसला करेगी। और मुझे पूरा विश्वास है कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया को इस तरह के आचरण के लिए कोई कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि यह पूरी तरह से अनुचित है। इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले की कोशिश पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता न तो फेंका गया है और न ही फेंकने का प्रयास किया गया है, बल्कि यह भारत के संविधान पर जूता फेंकने का प्रयास था। सत्ता में बैठे लोग भारत के संविधान का पालन करने को तैयार नहीं हैं ।

संपादकीय

स्टेबलकॉइन की चुनौती

वित्त मंत्री के बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि बदले हालात में तमाम देश अब स्टेबलकॉइन्स को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए कि स्टेबलकॉइन जैसे आविष्कार मुद्रा एवं पूंजी के प्रवाह का रूप बदल रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप के दौर में क्रिप्टो करेंसी– खासकर स्टेबलकॉइन्स को मिली स्वीकृति तमाम देश के लिए एक चुनौती के रूप में आई है। ट्रंप काल से पहले क्रिप्टो बाजार पूरी तरह निजी क्षेत्र में था। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल खुद ट्रंप क्रिप्टो करेंसी को लेकर अस्वीकार का भाव रखते थे। मगर दूसरे कार्यकाल में ना सिर्फ वे और उनके परिजन इस कारोबार में शामिल हुए हैं, बल्कि अमेरिकी मौद्रिक व्यवस्था में भी इसे जगह देने का प्रावधान उन्होंने किया है। स्टेबलकॉइन्स में, और उसके जरिए निवेश का रास्ता उनके प्रशासन ने तैयार किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के इस बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि अन्य देशों को पसंद हो या नहीं, लेकिन अब वे स्टेबलकॉइन्स को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सीतारमन ने कहा– श्स्टेबलकॉइन जैसे आविष्कार मुद्रा एवं पूंजी के प्रवाह का रूप बदल रहे हैं।य वित्त मंत्री की यह समझ भारतीय रिजर्व बैंक के रुख से बिल्कुल अलग है। रिजर्व बैंक ने अपनी डिजिटल करेंसी तो शुरू की है, लेकिन प्राइवेट क्रिप्टो मुद्राओं पर प्रतिबंध के पक्ष में रहा है। बहरहाल, अब बदले अमेरिकी रुख ने स्थिति बदल दी है। खबर है कि इस आशंका से ग्रस्त होकर कि स्टेबलकॉइन के जरिए अमेरिका वित्तीय पूंजी बड़े पैमाने पर अपनी तरफ खींच सकता है, चीन भी हांगकांग के रास्ते अपना युवान आधारित स्टेबलकॉइन लॉन्च करने की तैयारी में है। स्टेबलकॉइन क्रिप्टो करेंसी ही होते हैं, लेकिन उनका मूल्य किसी देश की मुद्रा के मूल्य से जुड़ा होता है। अब तक यह मुद्रा अमेरिकी डॉलर ही है, लेकिन जल्द ही युवान से जुड़े स्टेबलकॉइन भी बाजार में आ सकते हैं। इस घटनाक्रम से चुनौती यही पेश आएगी कि निवेशकों को पैसा लगाने का अटकल आधारित एक और बाजार मिल जाएगा। इससे वास्तविक अर्थव्यवस्था के लिए पूंजी का अभाव और बढ़ सकता है। भारत जैसे देश के लिए, जहां पहले ही अर्थव्यवस्था का जरूरत से ज्यादा वित्तीयकरण हो चुका है, यह एक नई चुनौती है। वित्त मंत्री ने इसे समझा है– यह अच्छी बात है। लेकिन इसके बरक्स उनके पास क्या योजना है, असल सवाल यह है।

भारत की पहचान भगदड़ भी है!

विनीत नारायण

तमिलनाडु के करूर में अभिनेता–नेता विजय की राजनीतिक रैली में 41 लोगों की मौत हुई। ऐसे हादसों की सूची लंबी है लेकिन यहाँ सवाल उठता है कि एक के बाद एक हादसों से हमने क्या सीखा? क्या ऐसे हादसे कभी कम होंगे? 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई, ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। यह घटना कार्यक्रम समाप्ति के समय भीड़ के बहाव के कारण हुई, जब लोग बाबा के चरण छूने या उनकी चरण रज लेने के लिए उमड़ पड़े। भारत, दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला वह देश है जहां धार्मिक उत्सव, राजनीतिक रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रीय शर्म का कारण बनते है। हाल के वर्षों की कई घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रशासनिक लापरवाही, अपर्याप्त योजना और बुनियादी ढांचे की कमी में कैसे निर्दोष लोगों की जान जाती है। सितंबर 2025 में तमिलनाडु के करूर में अभिनेता–नेता विजय की राजनीतिक रैली में 41 लोगों की मौत हो गई, जब देरी से पहुंचे काफिले को देखने के लिए लोग सड़क पर उमड़ पड़े। भगदड़ के हादसों की सूची बहुत लंबी है लेकिन यहाँ सवाल उठता है कि एक के बाद एक हादसों से हमने क्या सीखा? क्या ऐसे हादसे कभी कम होंगे?

2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई, ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। यह घटना कार्यक्रम समाप्ति के समय भीड़ के बहाव के कारण हुई, जब लोग बाबा के चरण छूने या उनकी चरण रज लेने के लिए उमड़ पड़े। इसी तरह, 2025 में प्रयागराज के महाकुंभ मेला में श्मौनी अमावस्याय के दिन पवित्र नदी में स्नान के दौरान हुई भगदड़ ने 30 लोगों की जान ले ली और 60 से अधिक घायल हो गए। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत अपनी जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने में बार–बार असफल हो रहा है। इन घटनाओं पर शासन और प्रशासन इतना गंभीर क्यों नहीं दिखाई देता? हाल के वर्षों में भारत में भगदड़ की घटनाएं एक चक्रव्यूह की तरह घूम रही हैं। 2024 के दिसंबर में हैदराबाद के संध्या थिएटर में श्पुष्पा 2य फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान हुई भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई। 2025 की शुरुआत में आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शन के टोकन वितरण के समय छह भक्तों की मौत हो गई, जब हजारों लोग टोकन के लिए उमड़ पड़े। फरवरी 2025 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज पर हुई भगदड़ ने कई जानें लीं। बेंगलुरु में क्रिकेट टीम रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल विजय परेड के दौरान 11 लोगों की मौत हुई, जहां प्रशासन ने भीड़ का अनुमान लगाने में चूक की। बिहार के बाबा सिद्धनाथ मंदिर में अगस्त 2024 की भगदड़ में सात मौतें हुईं। ये घटनाएं धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजनों में ही नहीं, बल्कि रेलवे स्टेशनों और सिनेमा घरों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी हो रही हैं। 1954 से 2012 तक भारत में 79त्न भगदड़ें धार्मिक आयोजनों के दौरान हुईं, जो आज भी जारी है। इन विफलताओं के पीछे कई गहरे कारण हैं। सबसे प्रमुख है आमंत्रित भीड़ का होना और अपर्याप्त प्रबंधन। आयोजक अक्सर अनुमानित संख्या से अधिक लोगों को आने की अनुमति माँग करते हैं, जबकि निकास मार्ग संकरे और अपर्याप्त होते हैं। अनुमति देने वाले विभाग भी, किन्हीं कारणों के चलते, सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजामों पर जोर नहीं देते। हाथरस में अस्थायी टेंट में पर्याप्त निकास न होने से भगदड़ बढ़ी। अफवाहें, जैसे आग लगने या ढांचा गिरने की, घबराहट और भगदड़ पैदा करती हैं। बुनियादी ढांचे की कमी, पुरानी इमारतों, संकरी सड़कों और पहाड़ी इलाकों में तो समझी जा सकती है। वहीं सुरक्षा कर्मियों की कमी और अप्रशिक्षित होना एक और समस्या है। महाकुंभ में वीआईपी व्यवस्थाओं पर फोकस से आम भक्तों की उपेक्षा हो जाती है। राजनीतिक और धार्मिक आयोजनों में भावनाओं का उफान भीड़ को अनियंत्रित बनाता है। इसके अलावा, आपदा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशानिर्देशों का पालन न होना एक बड़ी लापरवाही है। ये सभी कारक मिलकर भारत को बार–बार विफल कर रहे हैं, जहां जनता की जानें सस्ती साबित हो रही हैं। ये भगदड़ें केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं हैं, इनका मानवीय और सामाजिक प्रभाव बहुत गहरा है। परिवार टूट जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। हाथरस में ज्यादातर महिलाओं की मौत ने लिंग असमानता को भी उजागर किया। मनोवैज्ञानिक आघात पीड़ितों और गवाहों को वर्षों तक सताता ट्रीय छवि खराब होती है।

2 सालों बाद पीस प्लान से आएगी शांति या फिर अपनी भद्द पिटावाएगे ट्रंप

अभिनय

मिस्र में एक ऐसी मुलाकात चल रही है जो शायद गाजा या फिर कहे कि पूरे मीडिल ईस्ट का इस्तकबाल का भविष्य तय कर सकती है। काहिरा में हमास और इजरायल के अधिकारियों की मीटिंग हुई। इसमें गाजा में शांति का खाका तैयार होने पर बात होगी। इसका आधार 20 बिंदुओं का पीस प्लान है जिसे अमेरिका ने महीनों के मशक्कत के बाद तैयार करने का दावा किया है। बेंजामिन नेतन्याहू व्हाइट हाउस से इस पर हामी भी भर चुके हैं। कहा जा रहा है कि गेंद अब कुछ हद तक हमास के पाले में है। हमास ने प्लान के तहत इजरायली बंधकों को छोड़ने पर सहमति तो जता दी है। लेकिन कुछ शर्तें भी रखी हैं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले से शुरू गाजा युद्ध को दो साल पूरे हो गए। लगातार बमबारी, जमीनी कार्रवाई और नाकेबंदी ने गाजा पट्टी को मलबे के ढेर में बदल दिया है। यूएन की सैटेलाइट रिपोर्ट के मुताबिक 80% इमारतें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। 90% स्कूल खंडहर बन चुके हैं और 98.5: खेत उजड़ गए हैं। लाखों लोग अब टेंटों में रह रहे हैं जहां न पानी है, न बिजली, न इलाज। गाजा अब सिर्फ दर–दर भटकते लोगों की मायूसी और मलवे की जमीन बनकर रह गया है। ऐसे में आइए इजरायल और हमास के बीच जंग के तीसरे साल में प्रवेश करने के बीच जानते हैं कि मिस्र की बैठक के बाद क्ध्या अब थमेगी धमाकों की आवाज? क्या गाजा में कामयाब होगी ट्रंप की शांति योजना? 29 सितंबर को इजरायली पीएम नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक मीटिंग की थी। जिसके बाद उन्होंने कहा कि ये इतिहास के सबसे बड़े दिनों में से एक हो सकता है। ऐसा दिन जो हमें एटर्नल पीस यानी कभी न खत्म होने वाली शांति की ओर ले जा सकता है। ट्रंप ने आखिरकार नेतन्याहू को जंग रोकने के लिए एक प्लान पर सहमत कर लिया है। एक ऐसा प्लान जो न सिर्फ अमेरिका बल्कि सऊदी अरब और मुस्लिम देशों का भी समर्थन प्राप्त कर लिया है। ये वही पीस प्लान है जिसमें गाजा जंग से जुडेध् लगभग हर पहलू को एड्रेस करने की कोशिश की गई है। तीसरे फेज में गाजा की सुरक्षा के लिए एक इंटरनेशनल स्टैबलाइजेशन फोर्स की तैनाती और सरकार चलाने के लिए एक टेक्नोक्रेटिक एपॉलिटिक्ल फिलिस्तीनी कमेटी का गठन। इजरायल का नेतृत्व शीर्ष वार्ताकार रॉन डर्मर कर रहे हैं, जबकि खलील अल–हय्या हमास प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। मिस्री मीडिया के अनुसार दोनों पक्ष बंदियों और कैदियों की रिहाई के लिए जमीन तैयार करने पर चर्चा कर रहे हैं।मिस्र और कतर के मध्यस्थ एक ऐसा तंत्र बनाने की कोशिश में हैं जिसके तहत गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को इजरायली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले रिहा किया जा सके। पिछले 2 साल से लगातार इजराइली बमबारी के बाद गाजा अब एक मलबे का शहर बन गया है। यूएन रिपोर्ट के मुताबिक 80% इमारतें तबाह हो गई है। जिनमें से आधी से ज्यादा पूरी तरह डह गई। इससे करीब 4.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। गाजा में इजराली सेना के हमलों में तबाह हुई इमारतों का करीब 54 मिलियन टन से ज्यादा मलबा जमा है। विशेषज्ञ कहते हैं, इसे साफ करने में कम से कम 10 साल और 1.2 लाख करोड़ रुपए लगेंगे। भी गाजा के 80% से ज्यादा हिस्से पर इजराइली सेना का कब्जा है। आम गाजावास्सियों का आवाजाही सिर्फ 20: हिस्से में सीमित है। गाजा के 23 लाख लोगों में से 90: लोग बेघर हैं। उत्तर और दक्षिण गाजा से भगाए गए लाखों लोग अब मवासी जैसे राहत जोन में टेंटों में बिना पानी, बिजली और दवा के दिन गुजार रहे हैं। गाजा पट्टी का करीब 80: इलाका मिलिट्री जोन में है, जहां आम नागरिकों का प्रवेश वर्जित है। यूएन एजेंसियों के अनुसार आधे से ज्यादा लोगो भुखमरी से जूझ रहे हैं। अब तक 61, 158 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, इनमें 18,430 बच्चे (लगभग 31%) शामिल हैं। गाजा में करीब 39,384 बच्चे सूचिबद्ध हैं जो माता या पिता दोनों में से कोई एक खो चुके हैं। वहीं, 17,000 बच्चे माता–पिता दोनों खो चुके हैं। राहत एजेंसियां कहती हैं– यह अब शहर नहीं, जिंदा बचे लोगों का कैंप मात्र है। ट्रंप के प्लान के अनुसार गाजा में टेक्नोक्रेटिक एपॉलिटिकल फिलिस्तीनी कमेटी का गठन होगा जो प्रशासन से जुड़े काम काज देखेगी। गाजा की सरकार में मौजूद जो अधिकारी पहले हमास के अधीन काम करते थे, उनका क्या होगा? प्लान के मुताबिक हमास के नेता देश छोड़कर विदेश जा सकते हैं। अगर वो दोबारा इजरायल के खिलाफ किसी साजिश में शामिल न होने का वादा करें तो उन्हें माफी भी दे दी जाएगी और वे गाजा में ही रह सकेंगे। ऐसे में अब आगे क्या होगा वो इस पर निर्भर करेगा कि दोनों पक्षों पर कितना दबाव बनाया जा सकता है। हमास के समर्थक देश कतर और तुर्किए उसे प्लान स्वीकार करने के लिए कहेंगे। लेकिन संगठन के बीच मतभेद हैं। कुछ नेता अब भी कठोर रूख पर अड़े हैं।

शरद पूर्णिमा का पर्व कई अर्थ लिए हुए

अशोक प्रवृद्ध

चंद्रमा की सोलह कलाएं मनुष्य के गुणों की प्रतीक हैं कृ पूर्ण चंद्रमा का यह दर्शन जीवन की पूर्णता का संकेत है। इसलिए कहा गया है कि योगेश्वर श्रीकृष्ण सभी सोलह कलाओं से सम्पन्न थे। इसी भाव में शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा के दर्शन और पूजा को आत्मशुद्धि और मानसिक शांति का प्रतीक माना गया है। शरद पूर्णिमा के इस पर्व में आस्था के साथ–साथ एक गहरी जीवन–दृष्टि छिपी है कृ कि जब मन पूर्ण हो, नीयत शुद्ध हो, और प्रकृति के साथ तालमेल हो, तभी जीवन में अमृत उतरता है। 6 अक्टूबर –शरद पूर्णिमा पर विशेष भारतीय परंपरा में हर पर्व केवल आस्था का नहीं, बल्कि जीवन की लय और ऋतु के संतुलन का उत्सव होता है। इन्हीं में से एक है शरद पूर्णिमा कृ आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा, जब चंद्रमा अपनी सोलहों कलाओं से युक्त होकर सबसे उज्ज्वल रूप में धरती पर उतरता है। इसे कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव भी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। लोक परंपरा है कि इस रात्रि में चंद्रकिरणें अमृतमयी होती हैं कृ स्वास्थ्य और सौभाग्य देने वाली। इसी विश्वास से लोग दूध और चावल की खीर बनाकर खुले आकाश तले चंद्रमा की रोशनी में रखते हैं, और अगले दिन उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं। ज्योतिष के अनुसार चंद्रमा की सोलह कलाएं मनुष्य के गुणों की प्रतीक हैं कृ पूर्ण चंद्रमा का यह दर्शन जीवन की पूर्णता का संकेत है। इसलिए कहा गया है कि योगेश्वर श्रीकृष्ण सभी सोलह कलाओं से सम्पन्न थे। इसी भाव में शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा के दर्शन और पूजा को आत्मशुद्धि और मानसिक शांति का प्रतीक माना गया है। नवविवाहिताएं इसी दिन से अपने पूर्णिमा व्रत की शुरुआत करती हैं। भारत के कई राज्यों में यह पर्व फसल कटाई के उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। वर्षा ऋतु के अंत और शरद के आगमन के साथ यह मौसम नदियों को स्वच्छ और हवा को हल्का बनाता है। मान्यता है कि चंद्रमा की चांदनी अमृत बरसाती है, जो मन में उत्साह और शरीर में स्फूर्ति भरती है। यह दिन वर्ष की बारह पूर्णिमाओं में सबसे विशेष मानी जाती है, क्योंकि इसी दिन चंद्रमा अपने संपूर्ण सौंदर्य में प्रकट होता है। इस रात की चांदनी का प्रभाव केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि औषधीय भी माना गया है। चंद्रमा की किरणों से प्रसाद में रखी खीर में औषधीय गुण बढ़ जाते हैं कृ यह खांसी, जुकाम, जलन और नेत्रों के रोगों में लाभकारी मानी गई है। ज्योतिषीय मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा के साथ मंगल आदि ग्रहों का विशेष योग बनता है, जो शुभता और समृद्धि लाता है। इसी कारण इस दिन नए कार्यों, व्रतों और शपथों की शुरुआत को मंगलकारी माना गया है। पौराणिक ग्रंथों में इस दिन के अनेक उल्लेख हैं। कहा गया है कि समुद्र मंथन के समय माता लक्ष्मी का अवतरण इसी दिन हुआ था। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जो जागरण कर श्रद्धा से उनकी पूजा करता है, उसके घर में समृद्धि आती है। इसलिए इस रात को को–जाग्रत कृ यानी ष्कौन जाग रहा है? कृ का पर्व भी कहा गया है। वृंदावन और ब्रज में यह रात्रि रास पूर्णिमा के रूप में प्रसिद्ध है। कहा जाता है, इसी रात श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ महारास किया था कृ चंद्रमा की रोशनी में प्रेम और भक्ति का वह दिव्य नृत्य। लोककथाओं में एक कथा इस पर्व की शिक्षा को और गहराई देती है। कहा गया है, एक साहुकार की दो पुत्रियों में से बड़ी हर पूर्णिमा का व्रत श्रद्धा और निष्ठा से करती थी, जबकि छोटी केवल औपचारिकता निभाती थी। परिणाम यह हुआ कि बड़ी बहन की संतानें सुखी रहीं, जबकि छोटी की संतानें जीवित न रहीं। पश्चाताप में जब उसने पूरी श्रद्धा से व्रत किया, तो चमत्कार हुआ कृ मरा हुआ बच्चा जीवित हो उठा। तबसे नगर के लोग इस दिन का व्रत पूर्ण श्रद्धा से करने लगे। शरद पूर्णिमा के इस पर्व में आस्था के साथ–साथ एक गहरी जीवन–दृष्टि छिपी है कृ कि जब मन पूर्ण हो, नीयत शुद्ध हो, और प्रकृति के साथ तालमेल हो, तभी जीवन में अमृत उतरता है। चंद्रमा की यह उजली रात केवल आकाश में नहीं, हमारे भीतर भी जगमगाती है। यही वह रात्रि है, जब आकाश से उतरता चांद धरती के हृदय को छू लेता है कृ और जीवन को अमृतमय बना देता है।

मुख्य न्यायाधीश पर हमला, संयोग या प्रयोग

सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के भीतर एक ऐसी घटना हुई, जिसकी कल्पना भी कभी नहीं की गई होगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर एक वकील ने जूता उछालने की कोशिश की। यह घटना उस वक्त हुई जब जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों के मामलों की सुनवाई के लिए मेंशन सुन रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी वकील राकेश किशोर जज के डाइस के करीब पहुंचा और जूता उतारकर फेंकने की कोशिश की, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते उसे रोक लिया। सुरक्षाकर्मी जब आरोपी वकील को पकड़कर बाहर ले जा रहे थे, तब वह श्सनातन का अपमान नहीं सहेंगेश का नारा लगा रहा था। उसके नारे से सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि वह कट्टर दक्षिणपंथी मानसिकता का है, जिसके लिए संविधान मायने नहीं रखता, बल्कि धर्मांधता को वह तरजीह देता है। अब इस मामले की पूरी जांच होगी, तब पता चलेगा कि मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता उछालने का दुस्साहस आखिर उसने क्यों किया। हो सकता है 16 सितंबर को खजुराहो मामले में दिए फैसले से आरोपी नाराज हो, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची मूर्ति को दोबारा स्थापित करने की याचिका को खारिज कर दिया था। तब भी कुछ वकीलों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी या फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में जस्टिस गवई की मां ने जाने से इंकार कर दिया, इस बात से आरोपी नाराज हो। कारण जो भी यह घटना आजाद भारत के इतिहास में एक बड़ा कलंक बन गई है और इसका जिम्मेदार सीधे–सीधे नरेन्द्र मोदी की सरकार को कहा जा सकता है।भाजपा पहले भी केंद्र की सत्ता में रही है, और हिंदुत्व के नाम पर नफरत फैलाने का काम उसने पहले भी किया है। बाबरी मस्जिद को तोड़ना, गुजरात दंगे इसके उदाहरण हैं। लेकिन समाज में नफरत के इजहार को लेकर एक झिझक और संकोच था। सहिष्णुता का एक महीन सा आवरण समाज पर डला हुआ था, जो अब पूरी तरह तार–तार हो चुका है। नफरत करना और उतनी ही बेशर्मी से उसका इजहार करना अब गर्व की बात हो चुकी है। संघ से प्रेरित लोग काफी अरसे से नारा देते आए हैं कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं। पहले इस नारे को लगाने में लोग हिचकते थे। मगर अब मोदी सरकार में पूरा माहौल बदल चुका है। राहुल गांधी ने नफरत का कैरोसिन पूरे देश में छिड़के जाने का जो दावा किया था, वह सही दिखाई दे रहा है।देश में जातिवादी और धार्मिक आधार पर हिंसा अब भयावह रूप में सामने आ रही है। जस्टिस गवई पर हमला केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, न ही यह क्षणिक भावावेश में की गई हरकत है। बल्कि यह कई बरसों से समाज में भरी जा रही नफरत का निचोड़ है। याद रहे कि जस्टिस गवई दलित समुदाय से आने वाले दूसरे मुख्य न्यायाधीश बने हैं, लेकिन बौद्ध धर्म को मानने वाले वे पहले मुख्य न्यायाधीश हैं। हालांकि संविधान के हिसाब से न्याय की आसंदी पर बैठे व्यक्ति की धार्मिक आस्था मायने नहीं रखती है। लेकिन जब पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ राम मंदिर के लिए दिए फैसले से पहले देवी के सामने बैठने की बात कहते हैं, अपने घर में गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाकर उसका सार्वजनिक इजहार करते हैं, तब समाज भी इस तथ्य को मानने लगता है कि न्यायपालिका में धार्मिक आस्था के लिए जगह बन चुकी है। अगर जस्टिस गवई की जगह कोई सवर्ण हिंदू इस समय मुख्य न्यायाधीश के पद पर होता, तब शायद इस तरह जूता उछालने का दुस्साहस नहीं किया जाता। लेकिन वे दलित हैं, क्या इसलिए उन पर हमले की कोशिश की गई, यह सवाल गंभीरता से विचार की मांग करता है।इस घटना पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि दलित और अल्पसंख्यक होना इस देश में गुनाह बना दिया गया है, उनकी इस टिप्पणी को खारिज नहीं किया जा सकता। क्योंकि दलितों और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ ही रहे हैं। अभी एनसीआरबी के ताजा आंकड़े भी यही बता रहे हैं कि इन आंकड़ों में कोई कमी नहीं आई है। अभी उत्तरप्रदेश में ही मानसिक तौर पर विक्षिप्त एक दलित युवक की पीट–पीट कर हत्या कर दी गई है। बरेली में आई लव मुहम्मद कहने पर ऐसा बवाल चल रहा है कि जुमे की नमाज के बाद लोगों से सीधे घर जाने की अपील की गई। ओडिशा में देवी विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। ये सारी घटनाएं भले छिटपुट दिखें और इनमें व्यापक तौर पर जान–माल का नुकसान न हो, लेकिन समाज को जो दीर्घकालिक नुकसान हो चुका है, अब उसकी भरपाई होनी चाहिए। इस तरह के नुकसान का सिलसिला अगर बढ़ता रहे तो फिर वाकई वैसा ही हिंदुस्तान बन जाएगा, जिसकी कोशिश में पिछले सौ सालों से संघ लगा हुआ है। मोहन भागवत हिंदू समाज की एकजुटता की बात कहें या मुसलमानों को साथ लेकर चलने की बात कहें, असल में संघ एक सवर्ण मानसिकता में पगा हुआ मनुवादी भारत बनाने की कोशिश में है। जिसमें अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़ी जाति के लोग, महिलाएं सब सवर्ण पुरुषों के रहमोकरम पर रहें। अगर उन्होंने अच्छा व्यवहार किया।

उत्तर भारत में सांप्रदायिक द्वेष भड़काने के लिए गढ़े जा रहे हैं नए बहाने

यह श्आई लव मोहम्मदश वाला पुराना प्रकरण मुसलमानों को डराने–धमकाने और हाशिए पर धकेलने की स्थिति को और बदतर बना रहा है। अपने पैगम्बर के प्रति इस तरह के स्नेह का प्रदर्शन लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के दायरे में आता है। जैसा कि पाकिस्तान में कुछ तालिबानी तत्व दावा करते हैं कि भारत के साथ हर टकराव गजवा है..., यहां हमारे प्रधानमंत्री मामले को उसी दिशा में ले जा रहे हैं। सांप्रदायिक हिंसा भारतीय राजनीति का अभिशाप रही है। यह एक सदी से भी ज़्यादा पुरानी है। इस घटना के ज़्यादातर विद्वानों के अनुसार, यह हिंसा आमतौर पर सुनियोजित होती है। इस हिंसा के बाद सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का उदय होता है। विद्वानों का यह भी मानना है कि श्दंगे जातीय ध्रुवीकरण पैदा करते हैं जिससे कांग्रेस की कीमत पर जातीय–धार्मिक दलों को फायदा होता हैश। उनका मानना है कि जहां हिंदू–मुस्लिम दंगे कांग्रेस के लिए चुनावी तौर पर महंगे होते हैं, वहीं ये दंगे वास्तव में श्कांग्रेस जैसी बहुजातीय पार्टियों की कीमत पर जातीय–धार्मिक दलोंश को मजबूत करते हैं। इस अवलोकन के अनुसार, हिंसा भड़काने और उसका चुनावी फायदा उठाने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा बहाने गढ़े जा रहे हैं। स लंबी सूची में नए बहाने जुड़ते जा रहे हैं, जैसे मस्जिद के सामने तेज संगीत बजाना, मंदिरों में गोमांस फेंकना और अफवाहें फैलाना, जो नफरत फैलाने की मुख्य प्रवृत्ति रही है। इसके अलावा, मुस्लिम राजाओं का दानवीकरण, उनके द्वारा मंदिरों का विध्वंस, तलवार के बल पर इस्लाम का प्रसार, उनके बड़े परिवारों के कारण इस देश में हिंदुओं के अल्पसंख्यक होने का खतरा, ये सब नफरत फैलाने के तरीकों में जुड़ गए हैं। पिछले कुछ दशकों में गाय, गोमांस भक्षण, लव जिहाद, और कई अन्य जिहाद भी जुड़े हैं, जिनमें सबसे प्रमुख हैं कोरोना जिहाद, जमीन जिहाद और सबसे नया श्पेपर लीक जिहादश।यह सब याद आता है, क्योंकि इस समय देश में श्आई लव मोहम्मदश जैसे एक मामूली नारे के इर्द–गिर्द हिंसा का माहौल है। इसकी शुरुआत कानपुर से हुई, जब मिलादुन्नबी के मौके पर पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के जश्न में निकले जुलूस में कुछ लोगों के श्आई लव मोहम्मदश के बैनर पर इस आधार पर आपत्ति जताई कि इससे इस धार्मिक त्योहार में एक नई परंपरा जुड़ रही है। पुलिस के एक हिस्से ने इस तर्क को स्वीकार कर लिया और ऐसे पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। यह उन मानदंडों का पूर्णतरू उल्लंघन है जिनके अनुसार इस पैगम्बर के प्रति सम्मान व्यक्त करने वाला एक शांतिपूर्ण जुलूस किसी भी मानदंड का उल्लंघन नहीं है। इसके बाद उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हिंसा फैल गई।कानपुर की घटना पहली घटना थी और उत्तर प्रदेश के बरेली, बाराबंकी और मऊ जिलों में, उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर में और कई अन्य जगहों पर भी इसकी पुनरावृत्ति हुई। इसके बाद पोस्टर फाड़े गए और हिंसा हुई और माहौल बिगड़ गया।

तानाशाही के खिलाफ आवाज नहीं रुकेगी : संजय सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राजधानी लखनऊ से बरेली जाने के लिए निकला तो कार्यालय गेट पर पुलिस से सामना हुआ। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें जाने से रोका। लेकिन, आप कार्यकर्ता जाने पर अड़े रहे। इस पर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान देखी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने आप नेता नदीम अशरफ और सरबजीत मक्कड़ को हाउस अरेस्ट किया। जबकि, इमरान लतीफ को गोमती नगर स्थित पार्टी कार्यालय पर रोक लिया गया। पार्टी नेताओं के बरेली जाने की सूचना पर पुलिस प्रशासन पहले से ही सतर्क था। पार्टी कार्यालय पर सुबह से ही पुलिस तैनात हो गई। दूसरी तरफ पूर्व विधायक दिलीप पांडेय अपने दिल्ली आवास से दोपहर 2 बजे बरेली के लिए निकलेंगे। हालांकि, उनको भी पुलिस जाने देगी, इसकी कम संभावना है। वहीं पार्टी ने इस मामले में प्रदेश सरकार की नीति को दमनकारी बताते हुए, आगे भी अपना विरोध जारी रखने की घोषणा की है। आप कार्यकर्ताओं को कार्यालय और घर में रोका गया तो सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते सरकार को घेरा। उन्होंने लिखा कि श्न कोई आदेश है, न कोई कानून। यूपी पुलिस मनमानी तरीके से लोकतांत्रिक ढंग से आवाज उठाना भी बंद कर रही है। बरेली के पीड़ितों से मिलने की भी इजाजत नहीं है। यहां नफरत फैलाने और गुंडागर्दी करने की खुली छूट है। सजंय सिंह ने आगे लिखा कि श्बौद्ध प्रांत के अध्यक्ष इमरान लतीफ, अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष विनय पटेल और मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे, अभिषेक सिंह को पुलिस ने बिना किसी आदेश के रोका है। तानाशाही के खिलाफ ।|च की आवाज को रोका नहीं जा सकता है। बताते चलें कि बरेली में 26 सितंबर 2025 को हुए बवाल के बाद सूबे में सियासत जारी है। इसको लेकर राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आप के प्रतिनिधिमंडल के बरेली जाने का एलान किया था। तय समय के अनुसार 7 अक्तूबर को कार्यकर्ता निकले। लेकिन, गोमती नगर के विवेकखंड स्थित कार्यालय के बाहर ही पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक लिया। इससे पहले कानून व्यवस्था का हवाला देकर सपा के प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने बरेली जाने से रोक दिया था।

अब मुख्यालय से होगी सभी केजीबीवी की मॉनीटरिंग

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में छात्राओं के साथ मारपीट व बाहरियों के प्रवेश का मामला सामने आने के बाद प्रदेश भर के केजीबीवी में और सतर्कता बढ़ाई जाएगी। एक तरफ जहां केजीबीवी में सीसीटीवी की संख्या बढ़ाई जा रही है। वहीं मुख्यालय से सभी केजीबीवी की ऑनलाइन मॉनीटरिंग की भी तैयारी तेज कर दी गई है। लखनऊ केजीबीवी की छात्राओं की शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने जहां जांच तेज की है। वहीं समग्र शिक्षा की टीम ने भी उप शिक्षा निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में विद्यालय जाकर छात्राओं से जानकारी ली है। इस टीम में शामिल दो महिला अधिकारियों ने कई छात्राओं से अलग–अलग व्यक्तिगत भी बात कर जानकारी ली है। इसके आधार पर निदेशालय स्तर से सतर्कता और बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। समग्र शिक्षा की ओर से प्रदेश भर के केजीबीवी की मुख्यालय से मॉनीटरिंग की जाएगी। वहीं फोन के माध्यम से भी औचक फीडबैक लेने की व्यवस्था बनाई जा रही है। समग्र शिक्षा के उप निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि केजीबीवी को 12वीं तक अपग्रेड किया जा रहा है। इस क्रम में केंद्र सरकार की प्रोजेक्ट एडवायजरी बोर्ड (पीएबी) में प्रदेश की 746 केजीबीवी में 7000 से अधिक कैमरे लगाने के लिए बजट मिला है। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि यह सीसीटीवी इस तरह से केजीबीवी के चारों कोनों पर लगेंगे कि यहां पर आने व जाने वाले के साथ–साथ हर गतिविधियों की पूरी जानकारी मिल सकेगी। यह हाई रिजोल्यूशन वाले कैमरे होंगे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्य आरक्षी लल्लनप्रसाद का ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से आसमायिक निधन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली थाना में तैनात मुख्य आरक्षी लल्लनप्रसाद का ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से आसमायिक निधन हो गया। अचानक हुई घटना से पूरे पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। इस हृदय विदारक घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने मौके पर पहुंच कर जानकारी लिया। सिपाही का शव पुलिस लाइन परिसर में लाया गया। जहां मृतक को पुलिस को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया।वही पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी शुभम वर्मा एवं पुलिस परिवार द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में मुख्य आरक्षी लल्लनप्रसाद के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं मौन धारण कर सलामी देकर शोक संवेदना व्यक्त की गयी। पुलिस अधीक्षक ने दिवंगत मुख्य आरक्षी लल्लनप्रसाद को सद्गति व उनके परिजनोंधप्रियजनों के संबल हेतु हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

चारों भाइयों का मिलन देख छलक पड़े आंसू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पण्डित जी का ऐतिहासिक भरत मिलाप बड़े धूमधाम एवं आकर्षक झांकियों के बीच सम्पन्न हुआ । 14 वर्ष के बनवास बाद चार भाइयों का मिलन हुआ तो उपस्थित भक्त जनों की आंखें नम हो गईं। बनवास से लौटे भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के अयोध्या आगमन पर पूरा इलाका प्रफुल्लित हो उठा । नगर को विद्युत के आकर्षक झालरों, रंग बिरंगी दूधिया रोशनी से सजावट देखते ही बन रही थी। लाग के रूप में 30 आकर्षक झांकियां घोड़े हाथी और ऊंट के साथ निकाली गई। भोर में भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न 14 वर्ष के बनवास के बाद आपस में गले मिले तो लोगों की आँखे नम हो गईं। और भगवान श्री राम के जय कारे से पूरा इलाका गूंज उठा। इसके पहले नगर के अहिया पुर मोड़ से मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री रामचंद्र की शोभा यात्रा को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने नारियल फोड़ कर हरी झंडी दिखा कर लॉग और झाकियों को रवाना किया।आकर्षक ढंग तथा भव्य रूप से सजावट की गई रथ की सजावट पर डीजे साउंड के साथ मध्य रात्रि में निकाली गई। विभिन्न स्थानों से आई आकर्षक झांकियां चल रही थी। पुष्पक विमान रूपी राम रथ जिसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम, सीता, लक्ष्मण विराजमान थे। यह शोभा यात्रा सम्पूर्ण नगर भ्रमण करते हुए भोर में ओलंदगंज में संपन्न हुई । शोभा यात्रा के आगे आगे चल रही काली मुखौटा के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का हैरत अंग्रेज प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में ऐतिहासिक भरत मिलाप में शामिल लॉग और झाकियों को सम्मानित किया गया। जौनपुर के मुन्ना लाल को प्रथम लॉग के रूप में पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह के हाथों से सम्मानित किया गया। द्वितीय पुरस्कार कन्हैया लाल तथा तृतीय शीतला प्रसाद को दिया गया। वाराणसी से आयी हुयी लॉग गंगा अवतरण को प्रथम, भरत मिलाप को द्वितीय एवं नाग नथैया को तृतीय पुरस्कार के रूप में सम्मानित किया गया।

राजधानी को जाम से निजात दिलाएंगे 16 ट्रैफिक थाने, नई पहल से सड़क हादसों पर भी लगेगा अंकुश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ की सड़कों को जाम से निजात दिलाने और सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए शहर में 16 ट्रैफिक थाने बनेंगे। यातायात पुलिस ने इसका प्रस्ताव बनाकर निदेशालय भेजा है। इसे मंजूरी मिलते ही प्रक्रिया शुरू होगी। प्रस्ताव के मुताबिक, शहर के उन रूटों पर थाने बनाए जाएंगे जहां पर हादसे सबसे अधिक होते हैं और जाम की समस्या बनी रहती है। साथ ही शहर से जुड़ने वाले आगरा एक्सप्रेसवे, कानपुर हाईवे, सुल्तानपुर हाईवे, अयोध्या, रायबरेली और सीतापुर हाईवे पर ट्रैफिक थाने बनाने को प्राथमिकता जाएगी। क्योंकि, हाईवे पर हादसे व जाम की संभावना अधिक रहती है। लखनऊ में जाम बड़ी समस्या है। इसके अलावा सड़क हादसों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। इससे लोगों की मौत हो रही है। इसे रोकने के लिए यह नई पहल की गई है। कमिश्नरेट में ट्रैफिक पुलिस विंग ही यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करती है। इसमें थानों की पुलिस सहयोग करती है, लेकिन मानक के हिसाब से पुलिसकर्मियों की संख्या कम है। जब ट्रैफिक थाने बनेंगे तो उनका मुख्य काम ही यातायात व्यवस्था को संभालना होगा। ट्रैफिक पुलिस की संख्या भी बढ़ेगी। इससे यातायात नियंत्रित करना आसान होगा। ट्रैफिक थानों से हाईवे का यातायात बेहतर होने की पूरी संभावना है। वहीं हादसों पर भी अंकुश लगेगा। यही नहीं हादसों के वक्त पुलिस की पहुंच भी जल्द होगी। अगर, शहर के भीतर की बात करें तो भी यातायात नियंत्रण में काफी मदद मिलेगी। कुल मिलाकर ये योजना कारगर साबित हो सकती है। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि यातायात निदेशालय की तरफ से ट्रैफिक थानों का प्रस्ताव मांगा गया था। टीम गठित कर विस्तृत आंकलन किया गया। इसमें शहर में 16 ट्रैफिक थानों की जरूरत पाई गई। प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। अब निदेशालय आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा।

पीसीएस प्री परीक्षा में गड़बड़ी पर मिलेगा एआई अलर्ट, मुख्य सचिव के सख्त निर्देश– पेपर लीक न हो

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग की। इसमें पीसीएस प्री व सहायक वन संरक्षक–क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा परीक्षा को पारदर्शी व नकलविहीन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 12 अक्तूबर को होने वाली परीक्षा में किसी भी केंद्र पर गड़बड़ी के प्रयास पर एआई आधारित अलर्ट लोक सेवा आयोग मुख्यालय को मिल जाएगा। इससे गड़बड़ी आसानी से रोकी जा सकेगी। उन्होंने अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक सत्यापन व लाइव सीसीटीवी निगरानी के निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल बनाने के भी निर्देश दिए। कहा, सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचना व अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। डीएम व्यक्तिगत निगरानी में परीक्षा केंद्रों पर आयोग के मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील होने चाहिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील जिलों में विशेष निगरानी रखी जाए। पेपर लीक न हो और सही पेपर परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचे, इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। केंद्रों पर तलाशी के लिए पर्याप्त महिला एवं पुरुष कर्मी तैनात किए जाएं। आवागमन में अभ्यर्थियों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। रेलवे और रोडवेज अधिकारियों को पहले से ही सतर्क कर दिया जाए। परीक्षा 12 अक्तूबर को दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9.30 से 11.30 तक व दूसरी 2.30 से 4.30 तक है। इसमें 626387 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा सभी 75 जिलों में 1435 परीक्षा केंद्रों पर होगी। सर्वाधिक 67 परीक्षा केंद्र प्रयागराज में और 59 केंद्र लखनऊ में गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

जलकल विभाग में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को गरिमामय सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। ऐशबाग स्थित जलकल मुख्यालय में 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए पांच कर्मचारियों के सम्मान में एक भव्य और भावपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।कार्यक्रम में पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी', पार्षद संदीप शर्मा, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, अधिशासी अभियंता सचिन सिंह यादव सहित जलकल विभाग के अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान माहौल भावनात्मक रहा, जब सहकर्मियों ने अपने साथ वर्षों तक काम करने वाले साथियों को विदाई दी।सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में गैंगमैन मनोहर, मो. सबीर, पंप ऑपरेटर संजय, दाहाराम पाल और सफाई कर्मचारी महेश कुमार शामिल हैं। सभी ने अपने–अपने कार्यकाल में जलकल विभाग में निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ सेवाएं दीं।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि नगर निगम और जलकल विभाग का प्रत्येक कर्मचारी शहर की सेवा का सच्चा भागीदार है। वर्षों तक समर्पण के साथ कार्य करने वाले कर्मचारी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनका अनुभव और परिश्रम ही आज निगम को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य और सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया अध्याय है।जीएम जलकल कुलदीप सिंह ने भी कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विभाग उनकी निष्ठा और मेहनत को हमेशा याद रखेगा। समारोह के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गैंगेस्टर एक्ट में वांछित दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की पश्चिमी जोन, थाना वजीरगंज की पुलिस टीम ने गैंगेस्टर एक्ट के तहत वांछित दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 3 अक्टूबर को थाना वजीरगंज पर पंजीकृत मुकदमे मु0अ0सं0–262/2025 के आधार पर की गई। उक्त मामले में राजीव श्रीवास्तव और उसके सहअभियुक्तों द्वारा गैंग बनाकर लूट और छिनैती जैसी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की जानकारी मिली थी। इनके खिलाफ विभिन्न थानों में आधा दर्जन मोबाइल लूट और छिनैती के मामले भी दर्ज हैं।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में जितेन्द्र कुमार अवस्थी (25 वर्ष) पुत्र स्व0 रमेश चन्द्र अवस्थी निवासी प्रीति नगर, डुडौली, निकट त्रिकाल फैक्ट्री, मडियाव लखनऊ, मूल पता ग्राम अहेवा, थाना अटरिया, जनपद सीतापुर और श्यामू शुक्ला (24 वर्ष) पुत्र रामसागर शुक्ला, वर्तमान पता मालिका सराय, थाना चौक, लखनऊ, स्थायी पता ग्राम रंजीतपुर, सुनहरा, थाना मोहम्मदपुर खाला, जिला बाराबंकी शामिल हैं। जितेन्द्र कुमार अवस्थी को 5 अक्टूबर को कार्गिल पार्क के पास और श्यामू शुक्ला को 6 अक्टूबर को मूंगफली मंडी तिराहे से गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की बात करें तो इनके खिलाफ पहले भी विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का "किसान न्याय योद्धा सम्मेलन", संगठन मजबूत करने और किसानों के अधिकारों की रक्षा पर केंद्रित

लखनऊ(आरएनएस)। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के निर्देशानुसार आज एक वृहद "किसान न्याय योद्धा सम्मेलन" का आयोजन किया गया, जिसमें नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारी, किसान न्याय योद्धा एवं डिजिटल किसान न्याय योद्धा शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य संगठन को सशक्त बनाना और किसानों की समस्याओं व उनकी मांगों को प्रभावी रूप से जन–जन तक पहुँचाना था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय तथा अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रभारी उत्तर प्रदेश अखिलेश शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मध्य जोन के चेयरमैन जगदीश सिंह ने किया।सम्मेलन की शुरुआत भाजपा सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन शहीद किसानों और लखीमपुर खीरी की घटनाओं में शहीद हुए किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। साथ ही, जनपद फतेहपुर में दलित युवा किसान हरिओम बाल्मीकि की निर्मम हत्या पर भी शोक व्यक्त किया गया।सम्मेलन में किसानों की समस्याओं और उनकी 10 मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रमुख मांगों में एमएसपी गारंटी कानून लागू करना, किसानों का बकाया भुगतान, गन्ना मूल्य वृद्धि, महंगी बिजली दरें और स्मार्ट मीटर को वापस लेना, सरकारी बीमा कंपनियों के माध्यम से फसल बीमा और मुआवजा सुनिश्चित करना, नहरों की सफाई व सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध, ऋण माफी योजनाओं का कार्यान्वयन, दुग्ध उत्पादकों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना, ग्रामीण रोजगार एवं कृषि–संबंधित परियोजनाओं से ग्रामीण पलायन रोकना और भूमि अधिग्रहण पर उचित मुआवजा सुनिश्चित करना शामिल था।डिजिटल किसान न्याय योद्धाओं की शुरुआत भी इसी अवसर पर की गई, ताकि किसानों को पार्टी की नीतियों से अवगत कराकर उनकी समस्याएँ सीधे संगठन तक पहुँचाई जा सकें। साथ ही, "वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान" भी शुरू किया गया, जिसमें उपस्थित हजारों किसानों ने हस्ताक्षर कर भाजपा और चुनाव आयोग की कथित मिलीभगत का पर्दाफाश किया।मुख्य अतिथि अविनाश पाण्डेय ने किसान कांग्रेस को महिला किसान, अति पिछड़ा किसान, दलित किसान और बटाईदार किसानों को संगठन से जोड़ने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन के संघर्ष के माध्यम से ही देश में परिवर्तन संभव है। उन्होंने ऐतिहासिक रूप से पंडित नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी द्वारा किसानों के लिए बनाई गई योजनाओं का उल्लेख किया और यूपीए सरकार द्वारा किसानों के ऋण माफी और भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में संशोधन के योगदान को याद किया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार किसान विरोधी नीति पर चल रही है और यूरिया की कालाबाजारी तथा किसानों पर हो रही प्रताड़ना इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा किसानों की समस्याओं का समाधान करने और युवाओं को राजनीति में शामिल करने का संकल्प व्यक्त किया।सम्मेलन में प्रमुख रूप से ओमवीर तोमर, प्रबल प्रताप शाही, आर.सी. पांडे, शीतल मान, महेंद्र सिंह, खलील नम्बरदार, बृज मौर्य, रामभवन शुक्ला और शिव नारायण सिंह परिहार ने भी अपने विचार रखे।

आउटर रिंग रोड पर भीषण बस–ट्रक टक्कर, चालक घायल, सभी यात्री सुरक्षित

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के आउटर रिंग रोड पर सोमवार की दोपहर उस समय अफरा–तफरी मच गई जब बिहार के मुजफ्फरनगर से दिल्ली जा रही एक यात्री बस आउटर रिंग रोड पर उदयत खेड़ा अंडरपास के निकट पीछे से एक अज्ञात ट्रक–कंटेनर से जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और केबिन में ड्राइवर फँस गया।घटना की सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और फायर बिग्रेड की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। राहत दल ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से बस के केबिन में फँसे चालक को बड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। घायल चालक की पहचान नफीस पुत्र ज्ञानुद्दीन निवासी ग्राम पलड़ा, जनपद बागपत के रूप में हुई है। उसे एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।इस हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी चालीस यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने तत्काल बस कंपनी से संपर्क कर दूसरी बस की व्यवस्था कराई, जिसके माध्यम से सभी यात्रियों को सकुशल उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।थाना स्थानीय पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क किनारे हटा दिया गया है, जिससे आवागमन की स्थिति सामान्य हो गई है। मौके पर पुलिस बल मौजूद रहा और स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा गया। हादसे के बाद यात्रियों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल जरूर रहा, लेकिन तत्परता से की गई कार्रवाई के कारण कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गैंगस्टर अजय यादव उर्फ रिंकू की 3.70 लाख की कार कुर्क

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अधीन कार्य कर रही टीम ने गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के तहत कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी अजय यादव उर्फ रिंकू पुत्र सुरेश यादव निवासी पश्चिम पट्टी, कंधरापुर, जनपद आजमगढ़ की अवैध संपत्ति जब्त कर ली है। यह कार्रवाई माननीय न्यायालय, पुलिस आयुक्त लखनऊ के आदेश पर की गई, जिसके तहत अभियुक्त की एक स्विफ्ट डिजायर कार (रजिस्ट्रेशन नंबर) कुर्क की गई है। इस वाहन की अनुमानित कीमत लगभग तीन लाख सत्तर हजार रुपये आंकी गई है।पुलिस के अनुसार, जांच में यह तथ्य स्पष्ट हुआ कि अभियुक्त के पास इस कार को खरीदने का कोई वैध आय स्रोत नहीं था। विवेचना से यह भी प्रमाणित हुआ कि कार की खरीदारी में प्रयुक्त धन विभिन्न आपराधिक गतिविधियों से अर्जित अवैध आय से संबंधित है। माननीय न्यायालय ने इसे अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए राज्य सरकार के पक्ष में जब्त करने का आदेश पारित किया।लखनऊ पुलिस की यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ चल रही "जीरो टॉलरेंस" नीति का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत अपराधियों को न केवल जेल भेजा जा रहा है, बल्कि उनकी अवैध संपत्तियों को भी कुर्क किया जा रहा है ताकि उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर किया जा सके। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में विश्वास दोनों स्थापित होंगे। अभियुक्त अजय यादव उर्फ रिंकू का आपराधिक इतिहास लंबा और गंभीर है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ आजमगढ़, अयोध्या, बाराबंकी और लखनऊ जिलों में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, अपहरण और धोखाधड़ी जैसे 16 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। उसका पहला आपराधिक मामला वर्ष 2018 में थाना मेंहनगर, जनपद आजमगढ़ में हत्या के प्रयास के रूप में दर्ज हुआ था। इसके बाद से वह लगातार विभिन्न आपराधिक गिरोहों में शामिल रहकर अपराधों को अंजाम देता रहा है।पुलिस ने बताया कि अजय यादव एक खतरनाक अपराधी है, जिसने किशोरावस्था से ही आपराधिक प्रवृत्ति अपनाई। वह बुरे तत्वों के संपर्क में आकर अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गया। समय–समय पर गैंग बदलकर उसने आजमगढ़, अयोध्या, बाराबंकी और लखनऊ जिलों में गंभीर अपराध किए। उसके गिरोह के आतंक से आम जनता भयभीत रहती थी और कोई भी व्यक्ति उसके खिलाफ शिकायत या गवाही देने का साहस नहीं जुटा पाता था।लखनऊ पुलिस के मुताबिक, अभियुक्त के खिलाफ थाना पारा में गिरोहबंद अधिनियम की धारा 2/3 के तहत मु0अ0सं0 440 /2025 पहले से दर्ज है। पुलिस उसकी अन्य अवैध संपत्तियों की पहचान कर रही है ताकि आगे भी इसी प्रकार की कुर्की की कार्रवाई की जा सके। पुलिस का मानना है कि अपराधियों के खिलाफ इस प्रकार की आर्थिक कार्रवाई से उनके नेटवर्क और प्रभाव दोनों पर अंकुश लगेगा।पुलिस आयुक्त लखनऊ के आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि अभियुक्त के पास कार जैसी संपत्ति खरीदने का कोई ज्ञात वैध स्रोत नहीं है। जांच के दौरान यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि यह संपत्ति अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई थी। इसी आधार पर संपत्ति को राज्य सरकार के पक्ष में जब्त करने का आदेश पारित किया गया।यह कार्रवाई न केवल लखनऊ पुलिस की सतर्कता और सख्त रुख को प्रदर्शित करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि अपराध की दुनिया से कमाई गई कोई भी संपत्ति कानून के दायरे से बाहर नहीं रह सकती। पुलिस प्रशासन का यह प्रयास अपराधियों को आर्थिक रूप से पंगु बनाकर समाज में कानून व्यवस्था की मजबूती की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।

पैनल लगाने से पहले - फ्टॉप सोलर की असली कहानी

बरेली (प्रत्यूष पाण्डेय)रू जब उत्तर प्रदेश के परिवार रूफटॉप सोलर लगाने के बारे में सोचते हैं, तो उनका पहला सवाल होता है दृ "कौन–सा पैनल ब्रांड खरीदूँ?" यह स्वाभाविक लगता है। आखिर, अगर आप घर के लिए लंबे समय का निवेश कर रहे हैं तो ब्रांड तो सबसे अहम होना चाहिए।

लेकिन डेटा और एकोजेन का भारत में पिछले 15 साल का अनुभव कृ कुछ और बताता है। ज्यादातर मामलों में पैनल दोषी नहीं होते। असली वजह होती है डिजाइन की गलतियाँ, जैसे मॉड्यूल का मेल न होना या छाया पड़ना, जो चुपचाप परिवारों की बचत को कम कर देते हैं। जरा सोचिए–यूपी में एक सामान्य 3 किलोवाट का रूफटॉप सिस्टम हर साल लगभग 4,200 यूनिट बिजली पैदा करता है। इसका मतलब है लगभग 24,000 की वार्षिक बचत कृ जो एक बच्चे की दो महीने की प्राइवेट स्कूल फीस या एक साल के कुकिंग गैस सिलेंडरों के बराबर है। लेकिन अगर इंस्टॉलर ने जरा भी असमान पैनल जोड़ दिए, तो पूरा सिस्टम सबसे कमजोर पैनल के स्तर तक खींच जाता है। नतीजा? हर साल 80–400 यूनिट की कमी कृ यानी एक पूरे महीने की बचत गायब। बीस सालों में यह 50,000 से ज्यादा का नुकसान है, तकनीक की वजह से नहीं बल्कि गलत निष्पादन की वजह से। छाया की कहानी तो और भी आम है। लखनऊ में एक परिवार ने गर्व से रूफटॉप सोलर लगवाया, लेकिन बिलों में कमी मुश्किल से आई। वजह पैनल नहीं थे कृ बल्कि पड़ोसी की पानी की टंकी, जो हर दिन कुछ घंटों के लिए छाया डालती थी। सोलर में सिर्फ 10: छाया भी बिजली उत्पादन को 30–40% तक घटा सकती है। नतीजा यह कि 24,000 की सालाना बचत घटकर मुश्किल से 15,000 रह गई। कुल लाभ का एक–तिहाई हिस्सा सिर्फ इसलिए चला गया क्योंकि किसी ने यह नहीं देखा कि दिन भर में धूप छत पर कैसे चलती है। यहीं अनुभव काम आता है। भारत में 4 लाख से अधिक सिस्टम्स लगाने के बाद, एकोजेन का सबसे बड़ा सबक यही हैरू तकनीक तभी काम करती है जब उसे सही ढंग से समझा और स्थानीय जरूरतों के अनुसार लगाया जाए। चाहे पैनल कितना भी उन्नत क्यों न हो, अगर उसकी जगह और डिजाइन सही नहीं है, तो वह पूरी क्षमता से काम नहीं करेगा। जिन परिवारों ने सही प्लेसमेंट और स्ट्रिंग मैचिंग (यानि यह सुनिश्चित करना कि सभी पैनल बराबरी से काम करें) में निवेश किया, उन्होंने केवल पैनल की कीमत पर ध्यान देने वालों की तुलना में 15–20% अधिक बचत हासिल की। पीएम सूर्य घर योजना से यूपी के लाखों परिवार सोलर अपनाने के और करीब आएंगे। लेकिन सब्सिडी और ब्रांड का चुनाव बस शुरुआत है। असली सफलता आएगी जागरूकता से कृ यह समझने से कि हर छत अलग है, कि धूप जितनी मायने रखती है उतनी ही छाया भी, और कि सही डिजाइन अक्सर सिर्फ ब्रांड नाम से कहीं ज्यादा अहम होता है। उत्तर प्रदेश के लिए दांव बड़ा है। 4 करोड़ घरों और 30,000 मेगावॉट से ऊपर की ग्रीष्मकालीन मांग के साथ, छोटी–सी भी गलती परिवारों की अरबों रुपयों की बचत छीन सकती है। इन नुकसानों से बचने के लिए सिर्फ पैनल ही नहीं, बल्कि ऐसे साझेदार चाहिए जो यूपी की छतों, गलियों और जीवनशैली की असलियत को समझें। क्योंकि सोलर में ज्यादातर समय पैनल नहीं फेल होते कृ बल्कि वे छोटी–छोटी बातें जिन्हें हम नजरअंदाज कर देते हैं, वही तय करती हैं कि छत एक पावरहाउस बनेगी या निराशा का कारण। इस लेख में व्यक्त विचार देवेंद्र गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह–संस्थापक, इकोजेन के हैं, ।

शाहाबाद में मिशन शक्ति फेज–5 के तहत आयोजित हुई बालिका दौड़, बेटियों में भरा आत्मविश्वास

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) उत्तर प्रदेश सरकार के "मिशन शक्ति फेज–5" अभियान के तहत बुधवार को शाहाबाद पुलिस द्वारा अम्बेडकर पार्क मैदान में बालिका दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मरक्षा, आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रतियोगिता में श्री हर्ष पाण्डेय आदर्श इंटर कॉलेज शाहाबाद की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभागी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान ईजा, द्वितीय मीनाक्षी कुशवाहा और तृतीय अवनी दीक्षित रहीं। 200 मीटर दौड़ में प्रथम मुस्कान पाल, द्वितीय मोहनी और तृतीय सौम्या ने स्थान प्राप्त किया। वहीं 500 मीटर दौड़ में प्रथम प्रयांशी, द्वितीय रिदा और तृतीय रीतू विजयी रहीं। प्रभारी निरीक्षक आनंद नारायण त्रिपाठी ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बालिकाओं में आत्मविश्वास भरते हैं और वे निर्भीक होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती हैं।

संक्षिप्त खबरें

पड़ोसियों ने महिला को पीटा, नये थानाध्यक्ष ने दर्ज कराया मुकदमा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद ।क्षेत्र के राजेपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर पड़ोसियों ने एक महिला को घर में घुसकर उसकी पिटाई कर दी। तथा घर के बर्तन आदि घरेलू सामान तोड़ दिया।नए थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला ने घटना के 13 दिन बाद मुकदमा दर्ज करवाया। ऊक्त गांव निवासी संजू देवी ने आरोप लगाया है कि उनके द्वारा गांव में एक जमीन बीते वर्ष 2011 में गांव के ही रामसूरत से खरीदी थी। बाद में रामसूरत की पत्नी द्वारा वही जमीन दूसरे गांव के एक प्लाटर को मुहायदा कर दिया गया। जिसको लेकर विवाद शुरू हो गया। संजू देवी ने इस सम्बन्धा में बीते माह में तहसील दिवस पर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगायी थी। जिलाधिकारी के आदेश पर राजस्व अधिकारियों द्वारा विवादित जमीन का मौका मुयावना आदि किया गया। विपक्षी इसी बात से नाराज होकर बीते 24 सितम्बर की रात संजू देवी के घर में घुस गये और मारने पीटने लगे। आरोप है कि इस बीच उनलोगों ने घरेलू सामान भी तोड़ फोड़ दिया। संजू देवी तभी से प्रार्थना पत्र लेकर थाने का चक्कर लगाती रही। मंगलवार को घटना के 13 दिन बाद नये थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला को मामले की जानकारी पर राजेपुर गांव निवासी अनिल सोनकर,सोचन सोनकर, राहुल, सुरेश के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विधिक कार्यवाई की जा रही है।

नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधारों से व्यापारी वर्ग को राहत मिली --एमएलसी अवधेश कुमार सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) एमएलसी अवधेश कुमार सिंह ने नेक्स्ट जेन जीएसटी सम्मेलन में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधारों से व्यापारी वर्ग को राहत मिली है। कारोबार में पारदर्शिता आई है और राजस्व प्रणाली मजबूत हुई है। नेक्स्ट जेन जीएसटी अभियान के तहत बुधवार को स्वर्गीय प्रकाश चंद्र बाजपेई सभागार ब्लाक पिहानी मे भाजपा द्वारा व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक श्याम प्रकाश मौजूद रहे। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख कुशी भइया, नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता, जीएसटी एडवोकेट सुनीत बाजपेई, व्यापारी अमित पांडे, प्रतिनिधि धर्मेश मिश्र, पंकज वैश्य,अध्यक्षता दिनेश लोहिया द्वारा हुई सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।अतिथियों ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा सबका साथ, सबका विकास की भावना से व्यापारियों के हित में निर्णय लिए हैं। उपस्थित व्यापारी वर्ग ने कहा कि जीएसटी घटने से व्यापार में तेजी आई है, जिससे स्थानीय बाजारों में नया उत्साह देखा जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अयोध्या।मिशन शक्ति फेस 5.0 के तहत उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ अयोध्या इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अयोध्या नगर निगम के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी की अर्धांगिनी व समाजसेवी राजलक्ष्मी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला रही। कार्यक्रम में आई महिलाओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजलक्ष्मी ने कहा कि महिलाए समाज के हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। नौकरी पैसा हो राजनीति हो शिक्षा हो कल हो हर क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई दे रही है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान फेस फाइव योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही है अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है और इसका फायदा हम सभी महिलाओं को मिल रहा है।विशिष्ट अतिथि के रूप में आई महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जो महिलाएं अपने अधिकारों को नहीं समझ पाने में वंचित रह रही हैं उनको पंपलेट तथा बैनर के माध्यम से मिशन शक्ति अभियान के बारे में जागरूक किया जा रहा है।शासन की यही मंसा है की सभी महिलाएं व बालिकाएं अपने अधिकार को समझें। कार्यक्रम मे आरोही एक उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्षा पल्लवी वर्मा एवं उपाध्यक्षा अमिता सिंह ने मौजूद शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन किया।इस मौके पर ट्रस्ट की प्रदेश अध्यक्षा सुलोचना मौर्य द्वारा प्रदत जिला कार्यकारिणी का प्राधिकार पत्र अतिथियों के कर कमलों द्वारा वितरित किया गया।जो कि सामाजिक सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ की जिलाध्यक्ष मनोरमा साहू व संयोजन जिला महामंत्री नीलम मंध्यान किया।

जावा येज्दी फ्लिपकार्ट पर क्लासिक बाइक्स के साथ ऑनलाइन जाने वाला पहला ब्रांड

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय)। जावा येज्दी मोटरसाइकिल्स ने भारत में प्रीमियम मोटरसाइकिल खरीदने के तरीके को बदलने की दिशा में एक और निर्णायक कदम उठाया है। पिछले साल फ्लिपकार्ट पर हाई–परफॉर्मेंस क्लासिक बाइक्स की बिक्री की शुरुआत करने के बाद, अब यह ब्रांड देश के सबसे बड़े ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन पर लाइव हो गया है, जो 40 से अधिक शहरों को कवर करता है और इस त्योहारी सीजन में 100 से अधिक शहरों तक विस्तार करने की योजना बना रहा है। क्लासिक लेजेंड्स के मुख्य व्यवसाय अधिकारी शरद अग्रवाल ने कहा, "हम एक साल पहले ई–कॉमर्स में इस सरल विश्वास के साथ उतरे कि यदि हमारे युवा उपभोक्ता हॉलीडे डेस्टिनेशन या कार की बुकिंग करने से नहीं हिचकिचाते, तो उन्हें उसी तरह जावा या येज्दी भी ऑनलाइन खरीदने में सक्षम होना चाहिए। फ्लिपकार्ट से शुरुआत करके और अब अमेजन तक विस्तार करते हुए, हम मोटरसाइकिल स्वामित्व यात्रा को आसान और पारदर्शी बना रहे हैं, जबकि मोटरसाइकिलिंग की आत्मा को बरकरार रख रहे हैं।" जावा येज्दी ऑनलाइन रिटेल में प्रीमियम 350सीसी मोटरसाइकिलों की संभावनाओं को देखने वाला पहला ब्रांड था, जिसने एक नई दिशा तय की। जब ब्रांड ने अक्टूबर 2024 में फ्लिपकार्ट पर शुरुआत की, तब उसने केवल मोटरसाइकिलों की ऑनलाइन लिस्टिंग नहीं की, बल्कि ई–कॉमर्स में प्रीमियम–क्लासिक मोटरसाइकिल श्रेणी की शुरुआत की। पहले ही महीने में, इसने रिकॉर्ड कन्वर्जन रेट हासिल किया, जो ऑनलाइन टू–व्हीलर बिक्री में उद्योग के पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े से दोगुना था, जिससे पूरे क्षेत्र के लिए एक नया मानक स्थापित हुआ। एंड–टू–एंड डिजिटल यात्रा कंपनी की बारीकी से तैयार की गई ऑफलाइन तैयारी को दर्शाती है। जावा येज्दी मोटरसाइकिल्स ने पहले ही अपने डीलर नेटवर्क का विस्तार करके भारत भर में 450 से अधिक टचप्वाइंट्स तक पहुंच बनाई है और खरीदारों को 100 प्रतिशत जीएसटी 2.0 सुधार लाभ प्रदान किए हैं। त्योहारी उत्साह बीच–बीच में हो रही बारिश के बावजूद जारी है, और जावा येज्दी मोटरसाइकिल्स अपने ब्रांड को ग्राहकों के और करीब ला रही है। खरीदार घर बैठे मॉडल चयन से लेकर बुकिंग तक की पूरी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। अमेजन और फ्लिपकार्ट के माध्यम से खरीदने के फायदेः आकर्षक फाइनेंस विकल्प, ईएमआई प्लांस और कैशबैक इस त्योहारी सीजन में ऑनलाइन खरीदारी को और भी आकर्षक बनाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

शराब के 100 रुपए के लिए हुए विवाद में युवक की हत्या , आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के पसेवा गांव में सोमवार रात शराब के 100 रुपये को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मामूली कहासुनी ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पसेवा गांव निवासी अरविंद चौहान (48) ने सोमवार शाम अपने गांव के अलगू राम को शराब लाने के लिए 100 रुपये दिए थे। अलगू राम शराब नहीं लाया। जब अरविंद ने अपने रुपये वापस मांगे, तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर अलगू राम ने अरविंद चौहान को गाली–गलौज करते हुए उस पर हमला कर दिया। मृतक की पत्नी गुड़िया के अनुसार, अलगू राम ने अरविंद को लात–घूसों और किसी कठोर वस्तु से मारा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। अरविंद मौके पर ही गिरकर बेहोश हो गया। परिजन घायल अरविंद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत ले गए। वहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। हालांकि, जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही अरविंद चौहान की मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।इस मामले में मंगलवार को जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है आरोपी अलगू राम को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।मृतक अरविंद चौहान के परिवार में उनकी पत्नी गुड़िया चौहान, एक बेटा और दो बेटियां हैं। ग्रामीण अरविंद को शांत स्वभाव का व्यक्ति बताते हैं, जो मेहनत–मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। मृतक की भतीजी ने बताया कि कल रात में मुकेश मेरे घर पर आया और बोला कि आज मैं इनको मारूंगा। मेरी मां बोला कि क्यों तुम मरोगे है । मेरे चाचा का पैर टूटा था। मम्मी ने बोला कि 3 महीने से हम झेल रहे है। खिला पीला हम रहे है। तुम क्यों मारोगे चाचा हमारे बाहर तख्त पर सोए थे।चाचा ने कहा कि तुम हमारा सौ रुपया लिए हो। इतने में वो इनको मारने लगे।

कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए पुलिस अधीक्षक ने 4 निरीक्षकों और 6 उप निरीक्षकों का किया तबादला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर 4 निरीक्षकों और 6 उप–निरीक्षकों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया है। यह निर्णय जनपद की विधि व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से जनहित में लिया गया है। स्थानांतरित किए गए निरीक्षकों में अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय को बरसठी से मुंगराबादशाहपुर का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। किरन कुमार सिंह को मुंगराबादशाहपुर से शाहगंज भेजा गया है, जबकि दीपेन्द्र सिंह शाहगंज से केराकत के प्रभारी निरीक्षक होंगे। पुलिस लाइन्स में तैनात देवानन्द रजक को बरसठी का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। उप–निरीक्षकों में, गामा टीम के श्री प्रकाश शुक्ल को जफराबाद का थानाध्यक्ष बनाया गया है।

सेंट थेरासाज स्कूल,संडीला में व्याप्त अव्यवस्था से अभिभावक व छात्र परेशान

हरदोई(वीरेश श्रीवास्तवध्अम्बरीष कुमार सक्सेना) सेंट थेरासाज स्कूल,संडीला में व्याप्त अव्यवस्था और प्रिंसिपल के मनमाने रवैए से अभिभावक व छात्र परेशान हैं। संडीला के मोहल्ला कायस्थ सराय निवासी सुनील कुमार सक्सेना ने सेंट थेरासाज स्कूल,संडीला के प्रिंसिपल फादर पाल जॉनबारा के अनैतिक आचरण की शिकायत जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत संख्या 40015525101860 के माध्यम से सोमवार को की है। जिसमें सुनील कुमार सक्सेना काआरोप है कि मेरी बेटी श्रष्टि सक्सेना जो कक्षा दसवीं की छात्रा है। उसे सेंट थेरासाज स्कूल, संडीला ने देर होने की वजह से स्कूल में प्रवेश नहीं दिया । लेकिन उसके पिता सुनील कुमार सक्सेना, जो उसको छोड़ने गए हुए थे, स्कूल के प्रधानाचार्य ने उन्हें लगभग एक घंटा इंतजार कराया और फिर भी प्रधानाचार्य नहीं मिले। यह सब होने के दौरान, उनकी लड़की को स्कूल ने अंदर नहीं आने दिया, उसे मुख्य गेट के बाहर, सड़क पर ही खड़ा रखा गया, जबकि उसके पिता प्रधानाचार्य से मिलने अंदर गए थे। जब वह प्रधानाचार्य से बिना मिले बाहर निकलने लगे तो उन्होंने दिखावे के लिए उनकी बेटी को स्कूल के अंदर कर लिया लेकिन क्लास ज्वाइन नहीं करने दिया।

अभिभावक सुनील कुमार सक्सेना ने बताया कि उनकी बेटी की फीस भी एडवांस में जमा है। यह सब बाकया वहां के सीसीटीवी में भी कैद हुआ है। जिला एवं स्थानीय प्रशासन कृपा करके इसका संज्ञान ले और इसकी जांच की जाए। अगर भविष्य में मेरी हाई स्कूल की छात्रा बेटी के साथ कुछ अनहोनी हो जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी स्कूल और शासन – प्रशाशन की होगी। स्कूल के प्रिंसिपल फादर पाल जॉनबारा से मोबाइल नंबर 7380439506 पर संपर्क करने का प्रयास किया गया परन्तु उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय की बैठक सम्पन्न 501 परिवार 23 अक्टूबर को शोभायात्रा में शामिल होगे – अजय वर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय जौनपुर के पदाधिकारियों की बैठक जिला अध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू की अध्यक्षता में संपन्न हुई संचालन जिला महासचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव ने किया। बैठक में भगवान चित्रगुप्त पूजन के दिन निकलने वाली शोभायात्रा के संदर्भ मे विस्तार से रणनीति बनाई गई। जिलाध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू ने कहा कि कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय जौनपुर के तरफ से 501 कायस्थ परिवार के लोग 23 अक्तूबर बारीनाथ मठ से दोपहर 3 बजे भगवान चित्रगुप्त जी शोभायात्रा में शामिल होंगे शोभायात्रा में कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सनातन संघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश चन्द खरे जी मीडिया प्रभारी माननीय मुख्यमंत्री जी भी मौजूद रहेंगे। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष हिदेश श्रीवास्तव जी ने कहा कि जौनपुर के इतिहास में पहली बार भगवान चित्रगुप्त जी की इतनी बड़ी शोभायात्रा निकाली जा रही हैं जिसमें सर्व समाज समुदाय के हजारों लोग शामिल होंगे जो एक अच्छी शुरुवात है। जिला महासचिव संतोष श्रीवास्तव सोनू ने कहा कि कायस्थ समाज 23 अक्तूबर बारीनाथ मठ से निकलने वाली शोभायात्रा को उत्साहित हैं और जौनपुर के सभी संगठनों ने अपना अपना समर्थन दिया है जो एक अच्छी शुरुवात है शोभायात्रा में जिले भर के जनप्रतिनिधि सामाजिक संगठनों के लोग मौजूद रहेंगे। जिला उपाध्यक्ष अमर श्रीवास्तव ने कहा कि टीम की टोली बनाकर मुहल्ले मुहल्ले जनसंपर्क किया जा रहा है लोगो में 23 अक्टूबर को शोभायात्रा में शामिल होने का उत्साह है भारी संख्या में महिलाओं बच्चों पुरुषों का आगमन होने जा रहा हैं। युवा जिलाध्यक्ष हर्षित श्रीवास्तव ने कहा कि सभी पदाधिकारी तन मन धन से सहयोग कर भगवान चित्रगुप्त जी शोभायात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान दे। रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज जागरूक हो चुका हैं 23 अक्टूबर को शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए वृहद स्तर पर जनसंपर्क कर रहे है अब किसी के बहकाने में कोई नहीं आएगा सभी लोग 23 अक्टूबर को शोभायात्रा में शामिल होंगे।बैठक में राकेश श्रीवास्तव, अनुपम श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ केडी वर्मा, जिला उपाध्यक्ष गोल्डी श्रीवास्तव ,राजेश श्रीवास्तव जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आलोक श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ संजीव श्रीवास्तव राजू संगठन महासचिव, विक्की श्रीवास्तव जिला संगठन मंत्री इत्यादि लोग उपस्थित थे

अस्मिता खेलो इण्डिया की एक दिवसीय योगासन प्रतियोगिता सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्खेल से ही पहचान हैश स्लोगन के साथ अस्मिता खेलो इण्डिया का भव्य आयोजन सम्पन्न हो गया जहां मंचासीन अतिथियों ने अपनी श्रेणी में अव्वल आये बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। नगर के टीडी इण्टर कालेज के सभागार में आयोजित प्रतियोगिता जौनपुर योगासना स्पोर्टस एसोसिएशन के बैनर तले हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरीश चन्द्र यादव राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार एवं विशिष्ट अतिथि सदर विधानसभा के पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, जफराबाद के पूर्व विधायक डा. हरेन्द्र प्रताप सिंह, मछलीशहर भाजपा जिलाध्यक्ष डा. अजय सिंह, रोहित कौशिक सचिव उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, डा. आलोक यादव हड्डी रोग विशेषज्ञ, डा. अंजना सिंह प्रदेश अध्यक्ष हिन्दू भगवा वाहिनी रहे जिन्होंने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रतियोगिता में दर्जन भर से अधिक विद्यालयों के सैकड़ों बच्चों ने प्रतिभाग किया जहां 5 बच्चों का ग्रुप बनाकर योग कराया गया। एक श्रेणी में 18 वर्ष से कम एवं दूसरे श्रेणी में 18 वर्ष से अधिक के बच्चों ने प्रतिभाग किया जहां पारम्परिक (ट्रेडिशनल) योगासन एवं कलात्मक एकल (आर्टिस्टिक सिंगल) योगासन हुआ। इस अवसर पर सुरभि यादव, मनुश्री गुप्ता, आशीष पाण्डेय, सूर्यांश प्रकाश सिंह, प्रणिता सेठ, दीपशिखा जी, शिवम सिंह, प्रियंका सिंह, डा. प्रमोद यादव, राहुल प्रजापति, स्वतंत्र मौर्य, उदय सिंह सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर आये लोगों के प्रति धन्यवाद टीडी इण्टर काजेज के प्रधानाचार्य डा. सत्य प्रकाश सिंह ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन योग गुरू अचल हरीमूर्ति ने किया। अन्त में अंकित सिंह सचिव डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन जौनपुर ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। शिखा पाण्डेय, वंशिका गुप्ता एवं यशिका मौर्या ने पाया प्रथम स्थान

खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने अव्वल बच्चों को किया पुरस्कृत

पारम्परिक (ट्रेडिशनल) योगासन के अण्डरक्18 श्रेणी में शिखा पाण्डेय प्रथम, तेजवी जायसवाल द्वितीय, दीप्ति यादव तृतीय, आख्या लाल चतुर्थ, साक्षी जायसवाल पंचम स्थान पर आये। इसी तरह इसी योगासन के 18 प्लस में वंशिका गुप्ता प्रथम, प्रियांशी प्रजापति द्वितीय, प्रीति तृतीय, साक्षी सिंह चतुर्थ, रागिन कुमारी एवं वन्दना कुमारी ने संयुक्त रूप से पंचम स्थान प्राप्त किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।